राज्य के निजी विश्वविद्यालय भी अपनाएंगे शून्य लागत प्राकृतिक कृषि

राज्यपाल के आह्वान पर लिया इस दिशा में कार्य करने का निर्णय

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। राज्यपाल आचार्य देवव्रत के आह्वान पर प्रदेश में स्थापित निजी विश्वविद्यालय भी शून्य लागत प्राकृतिक कृषि के मॉडल को अपनाकर यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को कृषि की इस पद्धति के लिए तैयार करने के साथ-साथ इस कृषि पद्धति को व्यपाक स्तर पर प्रोत्साहन देंगे। राज्य में पहली बार इस दिशा में हिमाचल प्रदेश निजी शैक्षिक संस्थान विनियामक आयोग के प्रयासों से चार निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ राजभवन शिमला में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की।

बैठक में अभिलाशी विश्वविद्यालय, मण्डी के कुलपति डॉ. ए.एस. गुलेरिया, बद्दी विश्वविद्यालय के डीन ब्रिगेडियर सुभाष कटोच, आई.ई.सी विश्वविद्यालय, बद्दी के कुलपति डॉ. नवीन गुप्ता, अर्नी विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रिगेडियर संसार वर्मा तथा हिमाचल प्रदेश निजी शैक्षिक संस्थान विनियामक आयोग के सदस्य डॉ. एस.पी. कटयाल उपस्थित थे।

इस अवसर पर, राज्यपाल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, बागवानी विश्वविद्यालय, नौणी तथा गुरुकुल कुरुक्षेत्र

के कृषि फॉर्म की ताजा रिपोर्ट से यह निष्कर्ष सामने आया है कि प्राकृतिक कृषि, जो भारतीय नस्ल की गाय पर आधारित है, को अपनाने से जमीन का आर्गेनिक कार्बन बढ़ा है और मित्र जीवाणुओं की अत्यधिक संख्या का अनुमान लगाना मुश्किल है। उन्होंने जानकारी दी कि प्राकृतिक कृषि को अपनाने से गुरुकुल कुरुक्षेत्र के कृषि फॉर्म में आर्गेनिक कार्बन की मात्रा प्रति एकड़ .9 पहुंच गई है जो पहले .3 थी। इसके अतिरिक्त, यहां 25 से 30 क्विंटल धान की खेती प्रति एकड़ ली जा रही है। कृषि वैज्ञानिक भी इस परिवर्तन से हैरान हैं।

उन्होंने आध्रप्रदेश के गुन्टूर में 'इंटलैक्ट कन्सोरटियम' द्वारा जी.आई.ज़ैड, इण्डिया पर किए गए अध्ययन का जिक्र करते हुए कहा कि मिर्च व कपास पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि प्रति एकड़ पर रसायनिक खेती से किसानों को 50 हजार रुपये की फसल प्राप्त हुई, जबकि जैविक तौर पर की गई खेती से 68 हजार रुपये और प्राकृतिक कृषि से 96 हजार रुपये प्रति एकड़ की खेती की गई। यह रिपोर्ट शून्य लागत प्राकृतिक कृषि पद्धति के फायदे को स्वयं बयां करती है। उन्होंने कहा कि यदि निजी विश्वविद्यालय, जो कृषि विभाग का संचालन भी कर रहे हैं, इस दिशा में आगे आते हैं तो शुरूआती दौर में ही विद्यार्थियों को इस पद्धति से जोड़ने पर अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

राज्यपाल ने कुलपतियों के आग्रह पर उन्हें भारतीय नस्ल की गाय उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया तथा परामर्श दिया कि वे अपने विशेषज्ञों को प्राकृतिक कृषि संबंधी जानकारी के लिए गुरुकुल कुरुक्षेत्र भेज सकते हैं। इसे आधार बनाकर वे अपने-अपने विश्वविद्यालयों में कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है और प्रदेश भर में ग्राम स्तर तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में न केवल किसान बल्कि एन.सी.सी, एन.एस.एस और कॉलेज के विद्यार्थियों को भी संबद्ध किया जा रहा है ताकि ग्रामीण परिवेश से आने वाले विद्यार्थी भी इसका प्रचार कर सकें।

राज्यपाल ने इस अवसर पर उन्हें शून्य लागत प्राकृतिक कृषि संबंधी विस्तृत जानकारी दी और इसके फायदे से उन्हें अवगत करवाया।

बैठक में कुलपतियों ने इस पद्धति को अपनाने के प्रति काफी उत्साह दिखाया और इस मिशन में शामिल होने की इच्छा जाहिर की। राज्यपाल के सलाहकार डॉ. शशिकांत शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रीरेणुका मेला आगामी 18 नवंबर से 23 नवंबर तक

दीप राम शर्मा सर्वसम्मति से चुने गए श्रीरेणुकाजी विकास बोर्ड के सीईओ

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

नाहन। श्रीरेणुकाजी विकास बोर्ड की आज कुब्जा पेवेलियन में उपायुक्त सिरमौर एवं अध्यक्ष श्री रेणुकाजी विकास बोर्ड श्री ललित जैन ने की अध्यक्षता में हुई बैठक में दीप राम शर्मा को सर्वसम्मति से मुख्य कार्यकारी अधिकारी चुना गया। बोर्ड के धारटीधार क्षेत्र के सदस्य सुनील कुमार ने दीपराम शर्मा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका बोर्ड के सभी सदस्यों द्वारा समर्थन किया गया ।

तदोपरांत अन्तर्राष्ट्रीय श्री रेणुकाजी मेला -2018 के आयोजन के बारे बैठक करते हुए उपायुक्त सिरमौर ललित जैन ने कहा कि इस वर्ष श्री रेणुकाजी मेला आगामी 18 नवंबर से 23 नवंबर तक परंपरागत ढंग से आयोजित किया जाएगा । उन्होने कहा कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी मेले को आकर्षक बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएगें ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं का भरपूर मनोंरंजन हो सके ।

उपायुक्त ने कहा कि श्रीरेणुका मेला कालांतर से मां-पुत्र के पावन मिलन पर मनाया जाता है जिसमें भगवान परशुराम कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को जामू-कोटी टिले से अपनी माता श्री रेणुकाजी को मिलने आते है । उन्होने कहा कि मेले का शुभारंभ 18 नवंबर को भगवान परशुराम की ददाहू के वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला से शोभा यात्रा से होगा । उन्होने कहा कि मेले के शुभारंभ

के लिए मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर और मेले के समापन के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया जाएगा ।

उन्होने कहा कि मेले की सांस्कृतिक संध्याओं में प्रदेश और जिला सिरमौर के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया जाएगा । इससे अतिरिक्त मेले में फिल्म जगत के पार्श्व कलाकारों और पंजाबी कलाकारों को आमंत्रित करने पर विचार किया जाएगा। उन्होने कहा कि मेले में विभिन्न विभागों के माध्यम से विकासात्मक प्रदर्शनियों को भी लगाया जाएगा ताकि लोगों को प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं बारे जानकारी हासिल हो सके । इसके अतिरिक्त मेले में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा भी अपने स्टाल लगाकर अपने उत्पाद प्रदर्शित किए जाएगें।

उपायुक्त ने कहा कि मेले में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाएगें और मेले में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएगें। उन्होने मेले मे पानी, बिजली, सुविधाओं के समय रहते प्रबंध करने के लिए संबधित विभाग को निर्देश दिए । उन्होने कहा कि मेले में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएगें और लोगों की सुविधा के लिए अस्थाई शौचालय भी स्थापित किए जाएगें । इसके अतिरिक्त लोगों के आने जाने के लिए अतिरिक्त बसें भी लगाई जाएगी । उन्होने कहा कि मेले में पत्तों से तैयार किए गए डोने और पत्तलें इस्तेमाल की जाएगी ।

इससे पहले तहसीलदार ददाहू देवी सिंह कौशल ने बोर्ड के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों का स्वागत किया और बैठक में सभी मुददों को क्रमवार प्रस्तुत किया गया। इस मौके विधायक पांवटा सुखराम चौधरी, विधायक रेणुका विस विनय कुमार, बलबीर चौहान, प्रताप तोमर, आदेशक होमगार्ड राकेश सिंह, मेलाराम शर्मा सहित बोर्ड के सरकारी एवं गैर सरकारी सदस्यों ने भाग लिया।

नवादा में उपायुक्त ने किया सैनिटरी नैपकिन के माईक्रो यूनिट का शुभारंभ

न्यूनतम दर 4 रुपये में उपलब्ध करवाए जाएंगे सैनिटरी नैपकिन-उपायुक्त

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

नाहन। सिरमौर जिला में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सैनिटरी नैपकिन तैयार करने की जिला प्रशासन द्वारा अनूठी एवं अभिनव पहल की गई है ताकि विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं एवं किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन आसानी से उपलब्ध हो सके ।

यह जानकारी उपायुक्त सिरमौर ललित जैन ने गत दिवस पांवटा साहिब के नवादा में स्वयं सहायता समूह द्वारा स्थापित की गई सैनिटरी नैपकिन की छोटी मशीन का शुभारंभ करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए दी। उन्होने कहा कि तीन लाख की लागत से इस सैनिटरी नैपकिन के लघु उद्योग को आरंभ किया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम आने पर जिला में अन्य स्वयं सहायता समूह को इस लघु उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होने कहा कि नवादा व इसके आसपास के गांव की 12 महिलाओं द्वारा सैनिटरी नैपकिन बनाने का कार्य आरंभ किया गया है जिससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होगें ।

उपायुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए सैनिटरी नैपकिन न्यूनतम चार रूपये की दरों पर उपलब्ध करवाए जाएगें जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ मामला उठाया गया है । इसके अतिरिक्त नवादा व आसपास के स्कूलों में एक सौ किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन नि:शुल्क उपलब्ध करवाए जाएगें। उन्होने कहा कि स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए सैनिटरी नैपकिन को विभिन्न दुकानों के माध्यम से विक्रय किए जाएगें ताकि यह कारोबार सफल हो सके।

उपायुक्त ने कहा कि जिला में प्लास्टिक व थर्मोकोल की प्लेटों के विकल्प के रूप में स्वयं सहायाता समूहों द्वारा पत्तों से तैयार किए गए डोने व पत्तल काफी लोकप्रिय हो रहे है तथा जिला के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए एक लाख से अधिक डोने व पत्तल की आपूर्ति की जा चुकी है । उन्होने कहा कि जनमंच तथा अन्य समारोहों में अब पत्तों से तैयार डोने व पत्तल का इस्तेमाल किया जा रहा है । उन्होने कहा कि सरांहा में आगामी 21 व 22 को मनाए जाने वाले राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले में भी पत्तों से तैयार किए गए डोने व पत्तलों को इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए है।

इस मौके पर एसडीएम पांवटा एलआर वर्मा, सहायक परियोजना अधिकारी आरके झांझ सहित नवादा व इसके आसपास के गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।